

॥ श्रीरङ्गनाथपञ्चकं स्तोत्रम् ॥

.. Shri Ranganatha Panchakam Stotram ..

sanskritdocuments.org

November 5, 2017

---

.. Shri Ranganatha Panchakam Stotram ..

॥ श्रीरङ्गनाथपञ्चकं स्तोत्रम् ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : ranganAthapanchakam

File name : ranganAthapanchakam.itx

Category : vishhnu, panchaka

Location : doc\_vishhnu

Description-comments : sarasa stotrasangrahaH (Lucknow, 1909)

Latest update : November 4, 2017

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

November 5, 2017

*sanskritdocuments.org*



---

कदाहं कावेरीतटपरिसरे रङ्गनगरे  
शयानं भोगीन्द्रे शतमखमणिश्श्यामलरुचिम् ।  
उपासीनः क्रोशन्मधुमथननारायण हरे  
मुरारे गोविन्देत्यनिशमनुनेष्यमि दिवसान् ॥ १ ॥

कदाहं कावेरीविमलसलिले वीतकलुषो  
भवेयं तत्तीरे श्रममुषि वसेयं घनवने ।  
कदा वा तत्पुण्ये महति पुलिने मङ्गलगुणं  
भजेयं रङ्गेशं कमलनयनं शेषशयनम् ॥ २ ॥

पूगीकण्ठद्वयससरसस्निग्धनीरोपकण्ठा-  
माविर्मोदास्तिमितिशकुनानूदितब्रह्मघोषाम् ।  
मार्गे मार्गे पथिकनिवहैरुध्यमानापवर्गा  
पश्येयं तां पुनरपि पुरीं श्रीमतीं रङ्गधाम्नः ॥ ३ ॥

कस्तूरीकलितोर्द्धपुण्ड्रतिलकं कर्णान्तलोलक्ष्णं  
मुग्धस्मेरमनोहराधरदलं मुक्ताकिरीटोज्ज्वलम् ।  
पश्यन्मानस पश्यतोहरतरं पर्यायपङ्केरुहं  
श्रीरङ्गाधिपतेः कदानुवदनं सेवेय भूयोप्यहम् ॥ ४ ॥

न जातु पीतामृतमूर्च्छितानां नाकौकसां नन्दनवाटिकासु ।  
रङ्गेश्वर त्वत्पुरमाश्रितानां रथ्यासुनामन्यतमो भवेयम् ॥ ५ ॥  
इति श्रीरङ्गनाथपञ्चकं स्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

श्रीराधाकृष्णार्पणमस्तु ॥

Proofread by Pallasena Narayanaswami ppnswami at gmail.com  
From shrI sarasa stotrasangrahaH (Lucknow, 1909).

---

.. Shri Ranganatha Panchakam Stotram ..  
on November 5, 2017

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

